3 1

प्रथम विश्व युद्ध विभिन्न कारणों का सम्मिलित परिणाम था। विभिन्न राष्ट्रों की साम्राज्यवादी नीति के परिणाम स्वरूप यूरोप स्थिति नाजुक थी।

यूरोप ऐसे बारूद के ढेर पर बैठा था जिसे बस एक चिंगारी की देर थी जिसकी पूर्ति सर्बिया और ऑस्ट्रिया ने पूरी कर दी

(1) साम्राज्य विस्तार की नीति —

— यूरोप में सभी राज्य अपना अधिकतम विस्तार करना चाहते थे

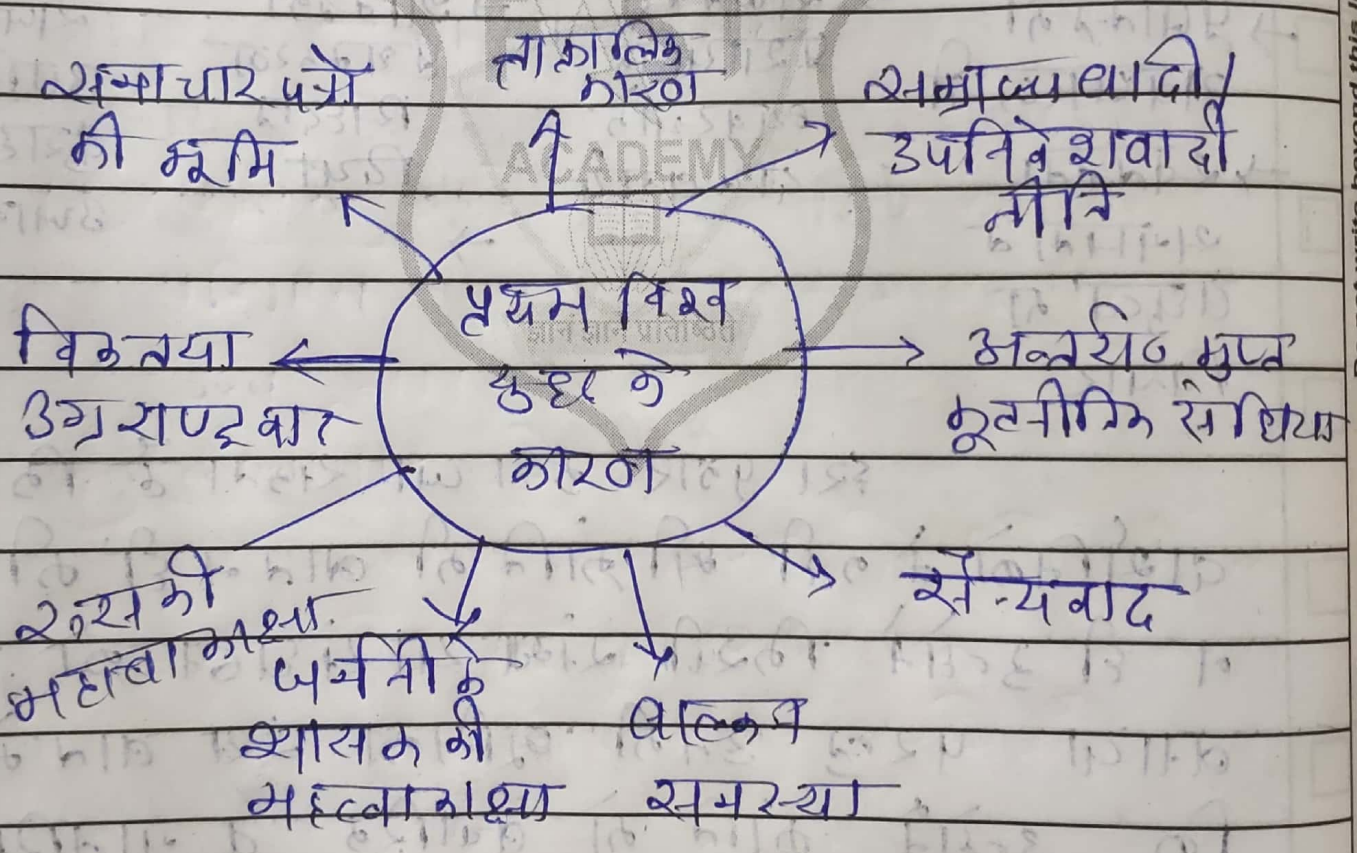

— औद्योगिक क्रांति के कारण

Leave Blank
Leave Blank
Do not write beyond this line
Leave Blank
Leave Blank

अधिकतम प्राकृतिक संसाधन व नये बाजार की आवश्यकता थी।

→ अन्य राष्ट्रों पर सर्वोच्चता प्राप्त करने हेतु साम्राज्यवाद।

② **गुप्त संधियाँ**

अन्य राज्यों से स्वयं की सुरक्षा हेतु अन्तर्रा० स्तर पर गुप्त संधियाँ हुई जिसने अविश्वास को बढ़ावा दिया

त्रिगुट संधि (जर्मनी, ऑस्ट्रिया, इटली)

त्रिदेशीय संधि (फ्रांस, इंग्लैंड, ~~सर्बिया~~)

③ **सैन्यवाद** – अनिवार्य सैनिक सेवा लागू करना

– शस्त्रीकरण

– जर्मनी द्वारा नौसेना में वृद्धि

परिणाम – अविश्वास ↑

④ **बाल्कन समस्या** – सर्व स्लाव जाति के लोग – चेकोस्लाविया, हंगरी, ऑस्ट्रिया की बजाय सर्बिया में विलय चाहते थे।

3 B

सिंधु सभ्यता के पतन के संबंध में दो मत सामने आते हैं–

- क्रमिक पतन
  - शीमला याचर
  - फेयर सर्विस
- आकस्मिक पतन
  - (1) विदेशी आक्रमण
  - प्राकृतिक आपदा

(1) <u>विदेशी आक्रमण या आर्य आक्रमण द्वारा सिंधु सभ्यता का पतन</u> – (गार्डन चाइल्ड, मार्टीमर व्हीलर)

– मोहनजोदड़ो में 38 नर कंकाल

– इन्द्र – वृत्तासुर हन्ता अर्थात बांध तोड़ने वाला

– नारमिनी – नष्ट करना

– हरयूपिया शब्द का प्रयोग हड़प्पा के लिये

– इन्द्र को पुरन्दर ~~…~~ अर्थात किले को तोड़ने वाला कहा जाता है

~~परन्तु~~

~~…~~ (2) परन्तु मात्र ~~…~~ 38 कंकालों से सम्पूर्ण सभ्यता का पतन नहीं माना जा सकता और पतन के पश्चात बचे हुये बांधो को नाश करना किलो को समाप्त करना को ~~पतन~~ सभ्यता के पतन के साथ नहीं जोड़ा जा सकता

Scanned by CamScanner

बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

3 6

औद्योगिक क्रांति का आशय है कि व्यापार, उत्पादन के लिये नवीन तकनीक, मशीनों, वैज्ञानिक आविष्कारों का प्रयोग जिससे परिवहन, संचार, व्यापार वाणिज्य के साथ-साथ जीवन के सभी पहलू - सामाजिक, आर्थिक राजनीति प्रभावित हो। ~~साथ ही नई~~

औद्योगिक क्रांति सर्वप्रथम इंग्लैण्ड मे हुई इसके प्रमुख कारण निम्न है -

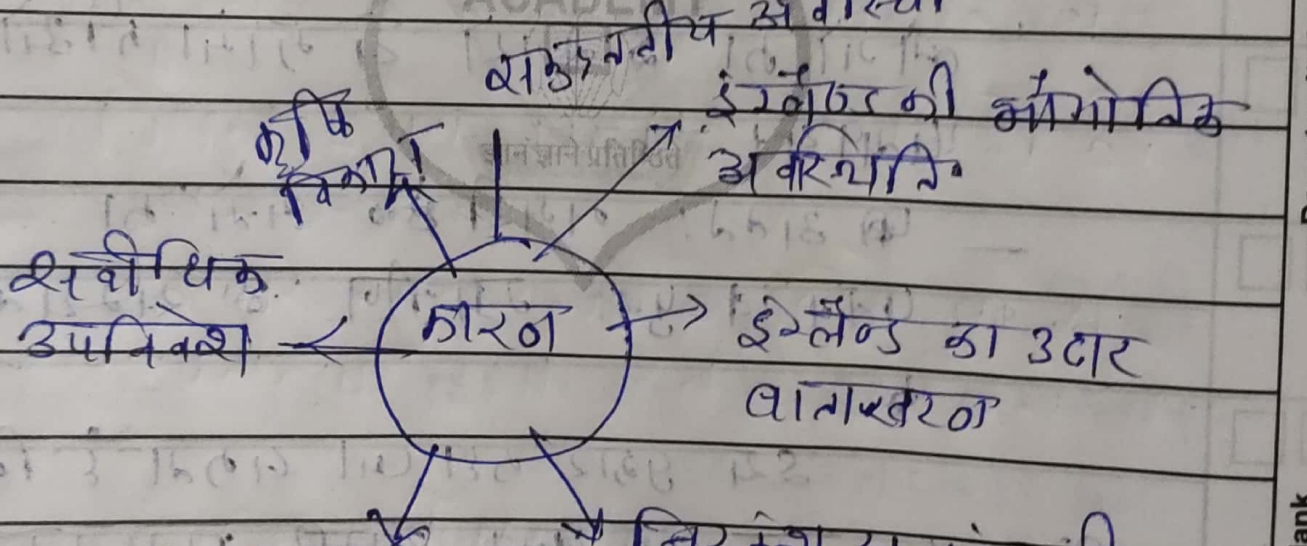

Leave Blank रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Scanned by CamScanner

Fill question ... बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

(1) इंग्लैण्ड की भौगोलिक अवस्थिति के परिणामस्वरूप

- अन्य देशों से सीमा नहीं लगती
  ↓
  सीमा विवाद नहीं
- बड़े बड़े बंदरगाहों का विकास
  ⇓
  व्यापार में
- नम जलवायु
  ⇓
  कपड़ा उद्योग का विकास
- प्राकृतिक संसाधनों की अधिकता
  कोयला
  लोहा

(2) इंग्लैंड के चारों ओर समुद्र

- शक्तिशाली जहाजरानी उद्योग का विकास
  ⇓
  जहाजों के व्यापारिक आवागमन में सुविधा
- शक्तिशाली नौसेना का विकास
  ⇓
  अन्य देशों में साम्राज्य विस्तार
  ⇓
  नये उपनिवेश
  नया बाजार

Leave Blank रिक्त छोड़ें
Do not write beyond this line इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें
Scanned by CamScanner

Fill question number and subsection number inside the boxes
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

(4) कृषि विकास → कृषि मे तकनीकों का प्रयोग
→ बड़े बड़े कृषि फार्मो का निर्माण
→ मशीनों के प्रयोग से श्रमिक बेरोजगार फलत: उद्योगों को सस्ते मजदूर उपलब्ध

↓
मशीनों से कृषि
↓
अधिशेष
↓
कच्चा माल पूर्ति

(5) उपनिवेश → कोयला व लोहा प्राप्त हुए
इंग्लैंड के सर्वाधिक उपनिवेश थे जिनका प्रयोग प्राकृतिक संसाधनों को प्राप्त करने एवं तैयार माल के लिये बाजार उपलब्ध हुआ फलत: पूंजीसंचय

(6) वैज्ञानिक आविष्कार
जैसे अब्राहम डर्बी – स्टेप्नी लैम्प
रिचर्ड आर्कराइट – स्पीनिंग जैनी
– पत्थर का कोयला,
– कांक्रीट की सड़क
– स्वेजनहर आदि

Leave Blank

Scanned by CamScanner

(ग) इंग्लैण्ड में उदार राजनीतिक वातावरण, युद्धों में संलग्नता न होना,
- प्रमुख उद्देश्य व्यापारिक लाभ,
- संवैधानिक राजतंत्र जबकि अन्य देशों में निरंकुश राजतंत्र था

ऐसी स्थिति में इंग्लैण्ड में औद्योगिक क्रांति की शुरुवात हुई जिसके परिणाम स्वरूप इंग्लैण्ड की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई एवं सम्पूर्ण विश्व में अपना साम्राज्य विस्तार किया।

ACADEMY
ज्ञानं ज्ञाने प्रतिष्ठितं

Leave Blank

Do not write beyond this line

Scanned by CamScanner

1 a

इंडियन एसोसिएशन की स्थापना 1866 ई में दादा भाई नौरोजी द्वारा द्वारा की गई।

अन्य सदस्य - सुरेन्द्र नाथ बनर्जी.

1 b

चार्ल्स मेटकॉफ को भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता कहा जाता है जिसने वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट को समाप्त कर भारतीय प्रेस पर लगे प्रतिबंधों को समाप्त किया।

1 c

महादेव देसाई - भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख सेनानी

गांधीवादी आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका

चंपारण सत्याग्रह में शामिल हुई।

गांधी जी के महत्वपूर्ण राजनीतिक सलाहकार

1 d

नीनो-डी-कुन्हा पुर्तगाली गवर्नर था जिसने जो अल्फांसो द-अबुकर्क के बाद भारत का गवर्नर बना।

इसने कोच्ची से गोवा को पुर्तगालियों का केन्द्र बनाया।

Scanned by CamScanner

बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

1 C

एनफील्ड रायफल का प्रयोग संबंध मुख्य रूप से 1857 के विद्रोह से है। जिसमे ब्रिटिश सेना द्वारा ब्राउन बेस बंदूकों की जगह एनफील्ड रायफल का प्रयोग किया जाता था। जिनमे चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग किया जाता था। जो मुंह से काटना पड़ता था।

1 A

मलिक काफूर अलाउद्दीन खिलजी का गुलाम था जिसे अलाउद्दीन ने शासक बनने के पूर्व देवगिरी के अभियान (1605-07) के समय प्राप्त किया था तथा इसने अलाउद्दीन के विभिन्न अभियानों में नेतृत्व किया।

1 F

~~चंदेरी~~ घाघरा का युद्ध –
बाबर और ~~अफ~~
जिसमे बाबर विजयी हुआ।

1

बॉक्स में प्रश्न क्रमांक

1 H

~~नाजीवाद का उदय जर्मनी~~

नाजीदल – जर्मनी से संबंधित
प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी में अधिनायकवादी / तानाशाही हिटलर का प्रभाव बढ़ा
जिसने नाजीवाद की विचारधारा को जन्म दिया।

1 I

तालीकोटा युद्ध

– विजयनगर साम्राज्य के पतन से संबंधित
– विजयनगर शासकों का अन्य दक्षिणी राज्यों के साथ – जिसमे अहमदनगर, गोलकुण्डा, बीजापुर थे।

1 J

जैनु-उल-आबदीन

Leave Blank रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Scanned by CamScanner

बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

1 K

आल्हा ऊदल का संबंद बुंदेलखण्ड रियासत के महोवा वंश से है
पृथ्वी राज चौहान के साथ युद्ध मे महत्वपूर्ण वीरगति को प्राप्त हुये।
महोवा राजवंश के सेनापति थे।
इनके नाम से वीरगाथायें बुंदेलखण्ड मे प्रचलित है।

1 L

प्रतिहार नरेश राज्यपाल –

1 M

सूर्यसेन – बंगाल के क्रांतिकारी
(1930) चटगांव शस्त्रागार पर हमला
- मास्टर दा के नाम से प्रसिद्ध

1 N

बिल ऑफ राइट्स 1689 – 1689 की इंग्लैण्ड की क्रांति के बाद संसद की सर्वोच्चता स्थापित जिसमे मानव अधिकार व व्यक्तिगत अधि-कारों की घोषणा की।

Scanned by CamScanner

बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

1 0

ज़ार निकोलस II रूसी क्रांति के समय शासक जिसने रूसीकरण की नीति अपनाई "एक रूस, एक ज़ार, एक जाति" का नारा दिया जिससे विभिन्न व अन्य जातियों में असंतोष उत्पन्न हुआ।

Leave Blank रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

FAST ACADEMY
ज्ञानं ज्ञाने प्रतिष्ठितं

Scanned by CamScanner

Fill question number and subsection number inside the boxes
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

2 A

स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांतिकारियों की भूमिका निम्न बिंदुओं के अन्तर्गत देखी जा सकती है —

(1) उदारवादियों (1885-1905) की अकर्मण्यता व उग्रवादियों की (1905) की असफलता के बाद राजनीतिक शून्यता की स्थिति को भरा।

(2) ब्रिटिश सरकार को ~~विभिन्न~~ गंभीर चुनौति प्रदान की।

(3) भारत में समाजवादी विचारधारा को प्रोत्साहन

(4) भारत छोड़ो आंदोलन के समय गुप्त समीतियों ने योगदान दिया

(5) ~~कि~~ पत्र पत्रिकाएं जैसे - युगांतर, वंदे जीवन, आदि द्वारा लोगों में ~~क्रांति~~ ब्रिटिश शासन के विरूद्ध आक्रोश उत्पन्न हुआ

परन्तु क्रांतिकारी आंदोलन में हिंसा तत्व मौजूद था फलतः इनका ब्रिटिश शासन द्वारा शीघ्र दमन हो गया ~~परन्तु~~ और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व कर रही ~~क्रांत~~ कांग्रेस का भी सहयोग प्राप्त नहीं हुआ।

Scanned by CamScanner

2 3

भारत छोड़ो आंदोलन (1942) की शुरूआत 8 अगस्त 1942 को ग्वालिया टैंक मैदान में घोषणा के बाद हुआ जो स्वतंत्रता प्राप्त करने हेतु अंतिम आंदोलन था –

भारत छोड़ो आंदोलन का महत्व

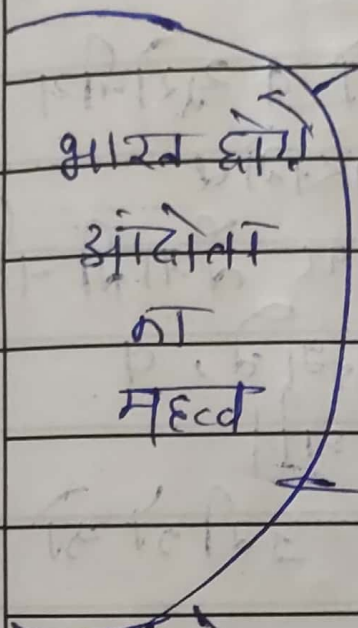

- आंदोलन शुरुआती दौर में ही शीर्ष नेतृत्व गिरफ्तार हुवे परन्तु आंदोलन स्वतः स्फूर्त चलता रहा जो परिपक्व राष्ट्रवाद का द्योतक था।
- जगह-जगह समानांतर सरकारों का गठन – बलिया (चित्तू पाण्डेय), मिदनापुर, आदि।
- ब्रिटिश सरकार को यह आभास हो गया कि अब और अधिक समय तक नियंत्रण नहीं रखा जा सकता।
- आजादी की मांग सुनिश्चित हुई
- शिमला सम्मेलन 1945 का आयोजन व असफलता के बाद केन्द्र में उत्तरदायी सरकार की घोषणा।

बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

2 (c)

1857 की क्रांति के लिये ~~विभिन्न~~ ब्रिटिशकालीन सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक नीतियां उत्तरदायी थी - परन्तु ~~क्र~~ क्रांति की शुरुआत हेतु सैनिक कारण उत्तरदायी थे जो निम्न लिखित है -

(1) ब्रिटिश सेना मे भारतीयो व यूरोपीय सैनिको मे भेदभाव से असंतोष

(2) ~~8~~ भारतीय को उच्च पदो पर तैनाती नही

(3) यूरोपीयो के समान वेतन, भत्ते, व ~~(4)~~ सुविधाएं प्राप्त न ही होती थी।

(4) भारतीयों को धार्मिक प्रतीको को धारण करने पर मनाही

(5) विदेशी अभियान - जिसमे समुद्र को पारकरना हिन्दु धर्म विरुद्ध होताथा

(6) अवध के अधिग्रहण के बाद अनेक सैनिक बेरोजगार जिसका प्रभाव अवध की जनता पर पड़ा।

(7) तात्कालिक कारण - ब्राउनबेस रायफल की जगह - एनफील्ड रायफल का प्रयोग जिसमे गाय व सुअर की चर्बी थी तथा हिंदु व मुस्लिम सैनिको ने इसे धर्मविरुद्ध समझा और विद्रोह किया।

Scanned by CamScanner

Q (b)

चंद्रगुप्त मौर्य ने (उत्तर ...) मे नंद शासक घनानंद को पराजित कर मौर्य साम्राज्य की स्थापना की

<u>उपलब्धियां</u> –

(1) <u>विशाल साम्राज्य की स्थापना</u> → राजनीतिक एकीकरण

व्यापारिक मार्ग निर्माण < उत्तरापथ, दक्षिणापथ

(ईरान) हेरात काबुल कंधार कश्मीर

(गुजरात) → (बंगाल)

कावेरी नदी तक (कर्नाटक)

साम्राज्य को शक्तिशाली और सुदृढ बनाया।

(2) विस्तृत नौकरशाही (पिरामिड रूपी) < 26 अध्यक्ष, 18 अध्यक्ष

(3) जैन धर्म अनुयायी और जैन धर्म को संरक्षण प्रदान किया।

(4) किसानो के हित में सुदर्शन झील का निर्माण (पुष्यगुप्त वैश्य द्वारा)

(5) लोककल्याणी प्रशासन, न्याय व्यवस्था केन्द्रीकृत शासन प्रणाली की स्थापना की

(6) सेनियों / सेनाओं के निर्माण को स्वायत्ता दी

इस प्रकार चंद्रगुप्त मौर्य ने विस्तृत साम्राज्य के निर्माण के साथ व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया

Leave Blank

Do not write beyond this line

Scanned by CamScanner

2 F

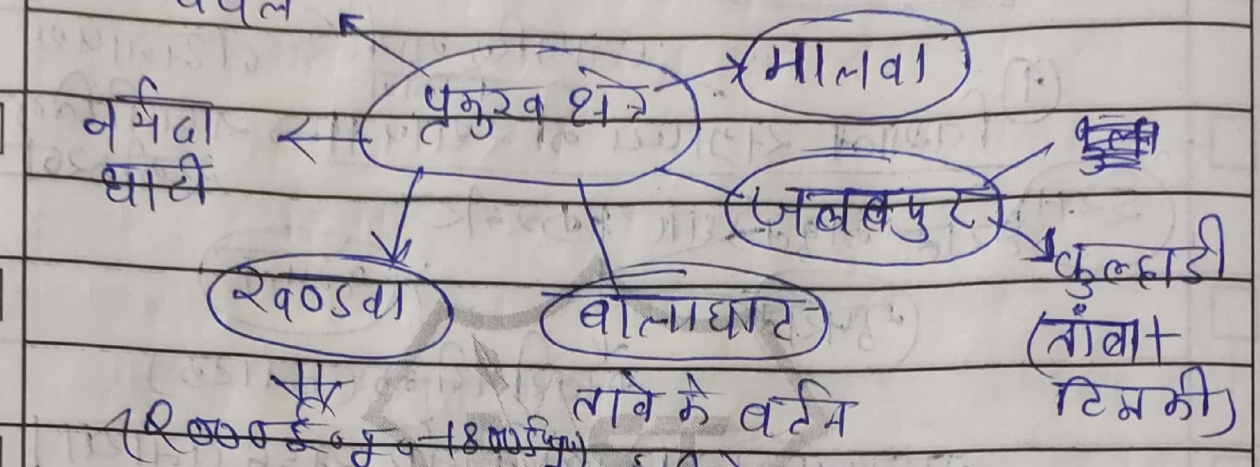

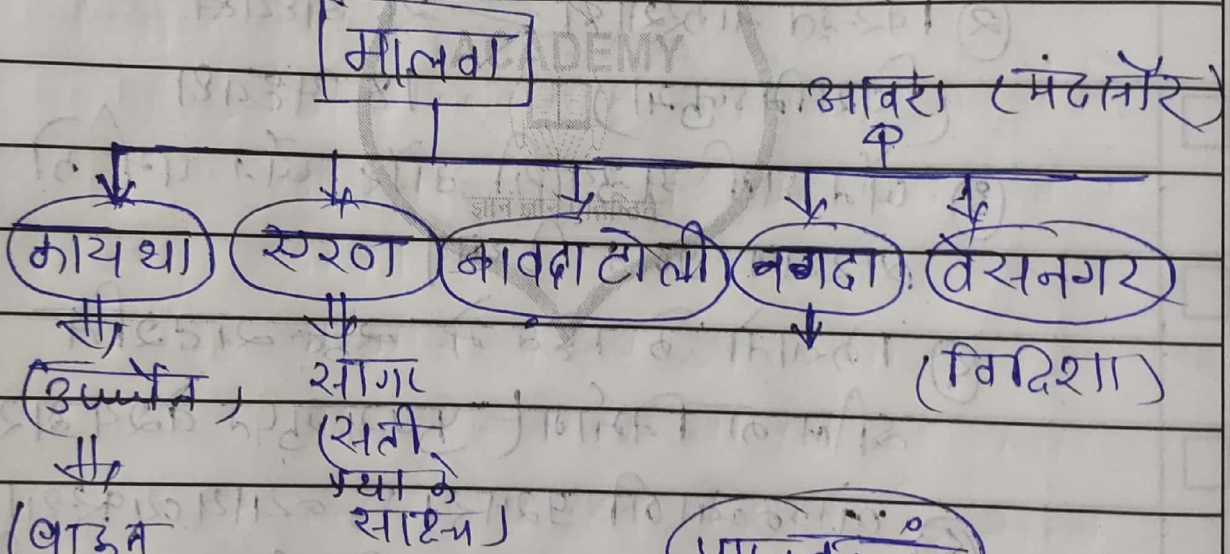

म०प्र० के विभिन्न स्थानों से पर खुदाई के बाद ताम्रपाषाणिक काल के अवशेष प्राप्त हुये है

म०प्र० में हड़प्पा सभ्यता के अवशेष प्राप्त तो नहीं हुये अनेक स्थल है जहां ताम्रपाषाण काल की जानकारी देते है

Leave Blank रिक्त छोड़ें
Do not write beyond this line इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Scanned by CamScanner

2 7

~~म.प्र. में राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ अनेक जगहों पर स्वतंत्र~~

म.प्र. में झण्डा सत्याग्रह

शुरुवात – 18 मार्च 1923

जबलपुर में

→ जबलपुर नगरपालिका पर झंडा फहराने के कारण स्थानीय अधिकारियों से विवाद हो गया

→ नेतृत्वकर्ता
- → पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र
- → सेठ गोविंद दास
- → नाथूराम शर्मा
- → राजगोपालाचार्य
- → पं. श्याम सुंदर
- → सुभद्रा कुमारी चौहान
- → राजेन्द्र प्रसाद

→ ब्रिटिश कमिश्नर ने कांग्रेस सदस्यों के झण्डा फहराने पर प्रतिबंध लगा दिया

– प्रतिबंध के विरुद्ध कांग्रेसियों ने झण्डा सत्याग्रह का आरम्भ किया

परिणाम
- → पं. सुन्दरलाल वर्मा को 6 माह का कारावास
- → सुभद्राकुमारी चौहान को नागपुर भेजा
- → अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया

Leave Blank

Do not write beyond this line

Scanned by CamScanner

2 M

मण्ड० का चरणपादुका नरसंहार –

→ इसे मण्ड० का जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड कहते हैं।

14 जनवरी 1931 को मण्ड० के छतरपुर के सिंहपुर चरणपादुका नामक स्थान पर उर्मिल नदी के किनारे → मकर संक्रांति को बड़ुस से लोग इकट्ठा हुये

→ ~~इन्होंने विरोध~~ जो गांधीवादी आंदोलन के समर्थक थे।

→ ब्रिटिश सेना व अधिकारियों द्वारा निहत्थी भीड़ पर गोली चला दी गई

→ परिणाम स्वरूप 21 लोगों की मृत्यु और 26 लोग घायल हो गये

→ इसमे प्रमुख विपेट के सुखलाल बघेल, हीरा कुर्मी, गुना – का धर्मदास, हलकई अहीर आदि थे।

इस प्रकार चरणपादुका नरसंहार के परिणाम स्वरूप संपूर्ण बुंदेलखण्ड ~~क्षेत्र~~ में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध असंतोष उत्पन्न हो गया।

Scanned by CamScanner

~~हुमॉयु~~ बाबर की मृत्यु के पश्चात हुमायुँ मुगल सम्राट बना चूंकि ~~[illegible]~~ नवगठित समाज्य की स्थापना के पश्चात ही ~~बाबर बाबर~~ ग हुमायु गद्दी पर बैठा परन्तु समुगल सल्तनत सुदृढ़णीकृत नही थी-

हुमॉयु की असफलता के कारण निम्नलिखित है-

(1) नवगठित साम्राज्य को विभाजित करने की तैमूरी परपंरा-

~~(8)~~ यालदौज, कुमाचाक, के विभिन्न

(2) विभाजन के बाद शक्ति का

(3) ~~पूर्व~~ मे, गुजरात शासक ~~[illegible]~~ पश्चिम बहादुर शाह द्वारा बार बार आक्रमण करना

(4) ~~[illegible]~~ ~~पश्चिम~~ पूर्व मे शेरखां द्वारा चुनौ ~~सस~~ ~~हा~~

(5) हुमॉयु ~~के~~ का सामाजिक समर्थक वर्ग कम था - जैसे जमींदार के सामंतो का समर्थन प्राप्त नही किया था

(7) रायसीना विजय के बाद महत्वपूर्ण समय को उत्सवों मे खर्च जबकि शेरखान द्वारा अपनी शक्ति को लगातार बढ़ाया गया

प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें
Write question number and subsection number inside the boxes

(8) चायसीन विजय के पश्चात

बंगाल का विचार शून्य अभियान

(9) भाईयों में आपसी मतभेद

तथा विश्वास की कमी।

(10) समय पर साथ न मिलना।

इस प्रकार हुमांयु ने मुगल सम्राट

साम्राज्य का विस्तार तो किया परन्तु इन

कारणों के परिणाम स्वरूप शीघ्र ही

शेरशाह सूरी मुगल सम्राट बना और

द्वितीय अफगानी राज्य की स्थापना की।

Leave Blank

Do not write beyond this line

Scanned by CamScanner

बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

2 L

फ्रांस की क्रांति (1789) में दार्शनिकों की भूमिका ज्ञात करने के लिये सर्वप्रथम उनके विचारों को जानना आवश्यक है

प्रमुख दार्शनिक

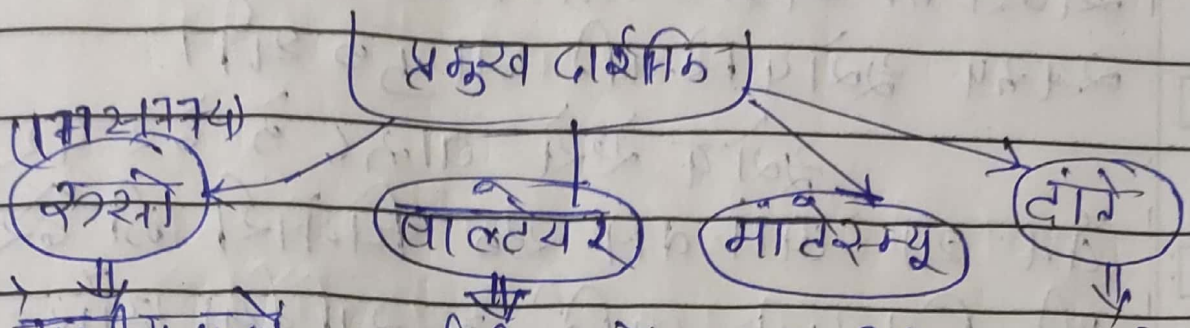

- **रूसो** (1712-1778)
  - सभी मनुष्यों को चर्च बंधनों से मुक्त बनाया
  - प्रजातंत्र की अवधारणा दी
  - स्वतंत्रता समानता व बंधुत्व का विचार
- **वाल्टेयर**
  - चर्च की बुराइयों को उजागर किया
  - राजतंत्र व प्रशासनिक व्यवस्था के दोष बताये
- **मांटेस्क्यू**
  - राजनीतिक व्यवस्था की आलोचना
  - शक्ति का पृथक्करण सिद्धांत दिया
- **दांते**
  - चर्च व्यवस्था व निरंकुश राजतंत्र आदि की बुराइयां उजागर की

इस प्रकार कहा जा सकता है कि दार्शनिकों ने न ही भी क्रांति की बात न ही की न ही उन्होंने किसी संस्था या संगठन को बनाया परन्तु उनकी भूमिका इस बात में है कि उन्होंने क्रांति को वैचारिक व मानसिक आधार प्रदान किया। तथा फ्रांस की जनता को तात्कालीन उपस्थित दोषों से अवगत कराया। क्रांति के कारण तो फ्रांस की तात्कालीन स्थिति में निहित थी।